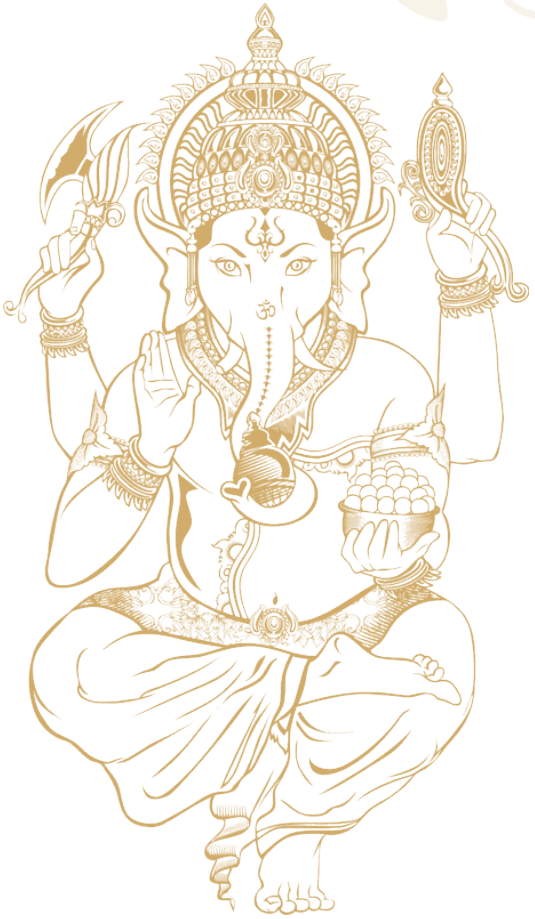

Mr.

25 Aug 2005

04:00 AM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121317102

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**24-25/08/2005**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	56:24:20 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:10:48 घंटे
वेलान्तर	-00:02:23 घंटे
साम्पातिक काल	02:23:59 घंटे
सूर्योदय	05:26:15 घंटे
सूर्यास्त	18:16:22 घंटे
दिनमान	12:50:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	07:54:08 सिंह
लग्न के अंश	18:07:22 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वृद्धि
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूसी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	18:07:22	313:02:12	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
सूर्य			सिंह	07:54:08	00:57:52	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	17:34:29	13:15:33	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
मंगल			मेष	20:20:20	00:25:48	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	स्वराशि
बुध			कर्क	19:33:10	01:03:50	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
गुरु			कन्या	23:16:11	00:10:48	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	15:18:13	01:10:46	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शनि			कर्क	11:03:41	00:07:13	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
राहु			मीन	20:30:53	00:01:30	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु			कन्या	20:30:53	00:01:30	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	15:08:04	00:02:22	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	---
नेप	व		मक	21:49:58	00:01:33	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	27:54:31	00:00:16	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			मेष	14:26:11	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:06

लग्न-चलित

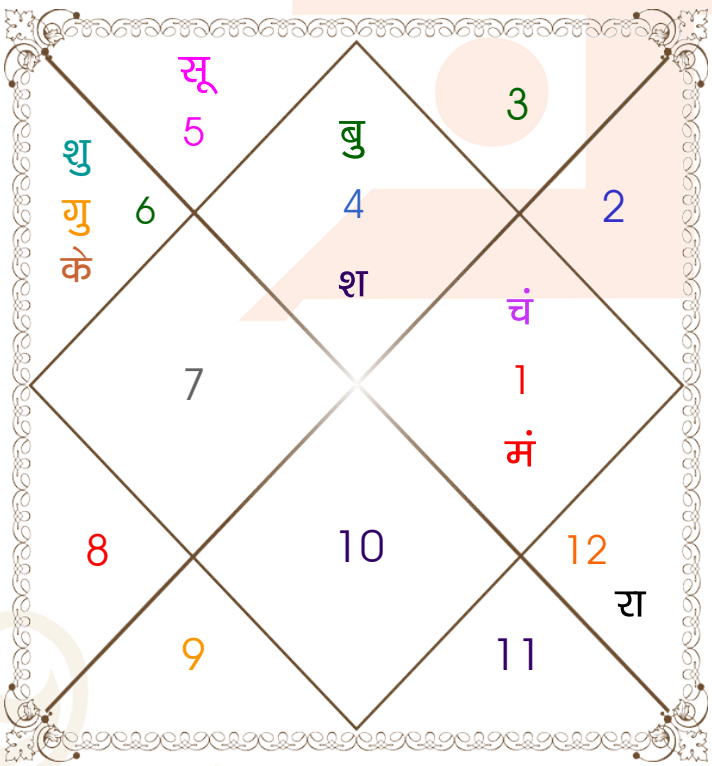

चन्द्र कुंडली

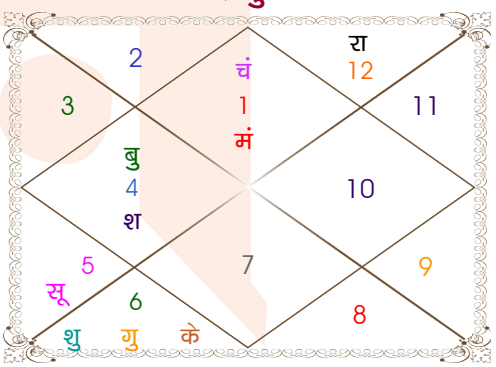

नवमांश कुंडली

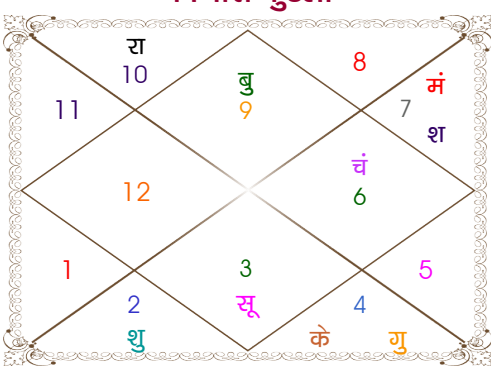

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 13 वर्ष 7 मास 19 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/08/2005		15/04/2019		14/04/2025		15/04/2035		15/04/2042	
15/04/2019		14/04/2025		15/04/2035		15/04/2042		14/04/2060	
	00/00/0000	सूर्य	02/08/2019	चंद्र	13/02/2026	मंगल	11/09/2035	राहु	26/12/2044
	00/00/0000	चंद्र	01/02/2020	मंगल	14/09/2026	राहु	29/09/2036	गुरु	21/05/2047
	25/08/2005	मंगल	08/06/2020	राहु	15/03/2028	गुरु	04/09/2037	शनि	27/03/2050
मंगल	15/06/2006	राहु	03/05/2021	गुरु	15/07/2029	शनि	14/10/2038	बुध	14/10/2052
राहु	14/06/2009	गुरु	19/02/2022	शनि	13/02/2031	बुध	12/10/2039	केतु	01/11/2053
गुरु	13/02/2012	शनि	01/02/2023	बुध	14/07/2032	केतु	09/03/2040	शुक्र	01/11/2056
शनि	15/04/2015	बुध	08/12/2023	केतु	13/02/2033	शुक्र	09/05/2041	सूर्य	26/09/2057
बुध	13/02/2018	केतु	14/04/2024	शुक्र	14/10/2034	सूर्य	14/09/2041	चंद्र	28/03/2059
केतु	15/04/2019	शुक्र	14/04/2025	सूर्य	15/04/2035	चंद्र	15/04/2042	मंगल	14/04/2060

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
14/04/2060		14/04/2076		15/04/2095		15/04/2112		16/04/2119	
14/04/2076		15/04/2095		15/04/2112		16/04/2119		00/00/0000	
गुरु	02/06/2062	शनि	18/04/2079	बुध	11/09/2097	केतु	11/09/2112	शुक्र	15/08/2122
शनि	14/12/2064	बुध	26/12/2081	केतु	08/09/2098	शुक्र	11/11/2113	सूर्य	16/08/2123
बुध	22/03/2067	केतु	04/02/2083	शुक्र	10/07/2101	सूर्य	19/03/2114	चंद्र	15/04/2125
केतु	25/02/2068	शुक्र	06/04/2086	सूर्य	16/05/2102	चंद्र	18/10/2114	मंगल	26/08/2125
शुक्र	26/10/2070	सूर्य	19/03/2087	चंद्र	16/10/2103	मंगल	16/03/2115		00/00/0000
सूर्य	15/08/2071	चंद्र	17/10/2088	मंगल	12/10/2104	राहु	03/04/2116		00/00/0000
चंद्र	14/12/2072	मंगल	26/11/2089	राहु	01/05/2107	गुरु	10/03/2117		00/00/0000
मंगल	20/11/2073	राहु	02/10/2092	गुरु	06/08/2109	शनि	19/04/2118		00/00/0000
राहु	14/04/2076	गुरु	15/04/2095	शनि	15/04/2112	बुध	16/04/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 13 वर्ष 8 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगी।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगी। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकती हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगी।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकती हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करती हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाती हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहती परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकती हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकती हैं। आप गले

के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकती है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।